भजन

नैनों मे पियाजी को राखूं, पलकों में उन्हें छिपाऊं
अद्भुत छवि पिया की, देखे पिया की प्यारी

1 ना हो बंधन मोह का, ना कोई हमें अहंकार
दिल मेरा है अर्स तेरा, तुमसे ही लागे प्यार।
दिन रैन तुम्हे ही चाहूं, पलको......

2 रंग परवाली में पिया संग, सेज्या के सुख पाऊँ
प्रात हुई जब नैन रतिरंग, देख के वारी जाऊँ
मुखड़े को मैं निहारूं, पलकों में यू मैं छिपाऊँ

3 पाग समारे हाथों से जब, पिया मेरे मुस्कायें
कोमल लाल हस्त कमल की, शोभा क्या बतलायें
चरणों में बैठ जाऊं, पलको..

4 हक हैड़े को देखकर मेरे, हैयड़े रहे क्यूं दम
गौर लाल रंग उज्जवल, कई विध देत तरंग
नैनों से नैन बांधूं, पलको.....